आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

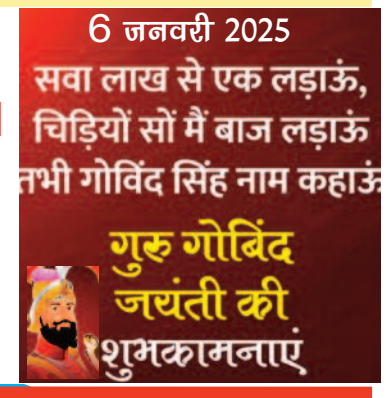

बर्ष :13 अंक :363 पृष्ठ -4 दिनांक 06 जनवरी 2025 दिन सोमवार

CM योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को अलीगढ़ जिले में हुआ था

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रविवार को कहा कि उनका समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है.योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश में सुशासन के संस्थापक, श्री राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है.''उन्होंने कहा, ''उन्होंने (कल्याण सिंह) अपने जीवन का एक–एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था. सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे पद्म विभूषण श्रद्धेय 'बाबूजी' की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!''उ.प्र. में

सुशासन के संस्थापक, श्री राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित आदरणीय कल्याण सिंह जी को जयंती पर श्रद्धापूर्ण नमन !''मौर्य ने कहा, '' बाबूजी का जीवन उनके सिद्धांतों, निडरता एवं लोक सेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक रहा. उनका न कोई पछतावा, न कोई पश्चाताप, न कोई दुःख, न ही कोई शोक का मूलमंत्र उनकी गंभीरता तथा आत्मिक सत्यता का प्रतीक रहने के साथ–साथ हम सभी का राष्ट्रोत्थान व सांस्कृतिक पुनरूजागरण के प्रति मार्गदर्शन करता रहेगा.''वहीं यूपी के ऊर्जा मंत्री एक शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा–सुशासन के प्रतीक, राजस्थान व हिमांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकप्रिय राजनेता 'पद्म विभूषणश श्रद्धेय कल्याण सिंह जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन! अलीगढ़ जिले में हुआ था कल्याण सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को अलीगढ़ जिले में हुआ था और 21 अगस्त 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली.

यूपी में देर रात दो IPS अफसरों का तबादला, DIGवैभव कृष्ण को प्रयागराज महाकुंभ की जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर दो आ. ईपीएस अफसरों का तबादला हुआ है, आजमगढ़ डीआईजी वैभव कुमार कृष्ण को डीआईजी महाकुंभ बनाया गया है. वहीं सुनील सिंह को आजमगढ़ का डीआईजी बनाया गया है, जो पहले पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात की जिम्मेदारी पर रहे हैं. राज्य शासन की तरफ से जारी आदेश के अनुसार अफसरों को तत्काल पदभार ग्रहण करने के लिए कहा गया है. इससे पहले इसी साल आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ था. जिसमें 46 आईएएस अधिकारियों का तबादला हुआ था.इससे पहले यूपी में 46 IAS अधिकारियों के तबादले हुए थे. जिसमें संजय प्रसाद यूपी के प्रमुख सचिव गृह फिर से बनाए गए. गुरीला श्री निवासुलू सचिव सं. चवालय प्रशासन विभाग बनाये गए. डॉक्टर सारिका मोहन सचिव बेसिक शिक्षा विभाग बनायी गई. चन्द्रभूषण सिंह सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग बनाए गए. डा. वेदपति मिश्रा सचिव राजस्व विभाग बनाया गया. ब्रजेश नारायण सिंह परिवहन आयुक्त बनाए गए. प्रकाश बिंदु सचिव लोक निर्माण विभाग बनाया गया है. भूपेन्द्र चौधरी सचिव लोक निर्माण विभाग बनाए गए. विवेक सचिव गृह विभाग बनाए गए. अनुज कुमार झा सचिव नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन निदेशक स्थानीय निकाय तथा राज्य मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन नगरीय बनाए गए. जानें किसी मिली कौन सी जिम्मेदारी इसके अलावा माला श्रीवास्तव सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग तथा निदेशक भूतत्व खनिकर्म का बनाई गई. रूपेश कुमार वर्तमान पद के साथ प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड तथा प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया.दीपक कुमार अपर मुख्य सचिव गृह वीजा पा. सपोर्ट सतर्कता विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया.एल वेंकटेश्वरलू को वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा सैनिक कल्याण विभाग उत्तरप्रदेश शासन–जनजाति विकास उत्तर प्रदेश प्रबंध निदेशक न्च सिडको निदेशक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा–छत्रपति शाहूजी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तरप्रदेश के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया.राजेश कुमार सिंह को मिली ये जिम्मेदारी राजेश कुमार सिंह १ को प्रमुख सचिव होमगार्ड बनाया गया है.बीएल मीणा को प्रमुख सचिव होम गार्ड के प्रभार से मुक्त किया गया, वह प्रमुख सचिव उद्यान रेशम खाद्य प्रसंस्करण पता होमगार्ड विभाग के प्रमुख सचिव बने रहेंगे. आलोक कुमार सेकेंड प्रमुख सचिव हाथ करता एवं वस्त्रों उद्योग खादी एवं ग्रामोद्योग सार्वजनिक उद्यम प्राविधिक शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उत्तर प्रदेश शासन तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम उत्तर प्रदेश के प्रभाव से मुक्त करते हुए प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया. नरेंद्र भूषण प्रमुख सचिव पंचायतीराज विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभाव से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव प्रबुद्ध शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का प्रभार प्रदान किया गया. वीणा कुमारी मीना प्रमुख सचिव आयुष विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभाव से मुक्त किया गया.

महाकुंभ में सात लेयर की सुरक्षा .व्यवस्था, आतंकी हमले को लेकर एटी एस के जांबाज कमांडो की मॉक ड्रिल

हर साल पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती मनाई जाती है. इस अवसर पर आप गुरु गोबिंद सिंह जी के कहे अनमोल वचन पढ़ सकते हैं या सभी को भेज सकते हैं. गुरु गोविंद सिंह जी सिखों के 10वें गुरु थे. हर साल सिख समुदाय के साथ अन्य लोग भी उनकी जयंती मनाते हैं. गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर देश भर के गुरुद्वारे सजे होते हैं. इस दौरान गुरुद्वारों की भव्यता देखते ही बनती है. इस दिन गुरुद्वारों में लंगर भी बांटे जाते हैं. गुरु गोविंद सिंह जी ने सिख धर्म को मजबूती प्रदान की साथ ही लोगों को सच्चाई और धर्म के रास्ते पर चलने के लिए भी प्रेरित किया था.इस साल कब मनाई जाएगी गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती?हर साल पौष महीने की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को लोग गुरु गो. विंद सिंह जी की जयंती मनाते हैं. साल 2025 में पौष महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 5 जनवरी को रात 8 बजकर 15 मिनट पर होगी. वहीं इस तिथि की समाप्ति 6 जनवरी की शाम 6 बजकर 23 मिनट पर होगी. ऐसे में नानकशाही कैलेंडर के अनुसार, इस साल गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती 6 जनवरी को मनाई जाएगी.गोविंद सिंह जी की जयंती का महत्व सिख समुदाय में गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती का दिन बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. इस मौके पर उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं. गुरु गोविंद सिंह जी ने सिख धर्म को नई दिशा दी. उन्होंने खालसा पंथ को स्थापित किया. साथ ही पांच ककार को अनिवार्य बनाने का कार्य किया. उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और आत्म. निर्भरता का संदेश लोगों को दिया.गुरु गोविंद सिंह जी का है बहुत ही प्रेरणादायी इतिहास सिखों के 10 वें गुरु गोविंद सिंह जी का बहुत ही प्रेरणादायी इतिहास है. 22 दिसंबर 1666 को पटना में गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था. वहीं हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, उनका जन्म विक्रम संवत 1723 में हुआ बताया जाता है. ये दिन पौष माह के सप्तमी तिथि का था. उनका बचपन का नाम गोविंद राय था. गुरु गोविंद सिंह जी महान कवि,योद्धा और कुशल लेखक थे. उन्हें संगीत की भी बहुत अच्छी परख थी. उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों की सेवा की और सच के रास्ते पर चले. माना जाता है उनकी मृत्यु 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुई थी.

कासगंज (सहावर)पुलिस द्वारा अपराधी को दबोचा गया

जननायकसम्राट/संवावदाता अमितकुमार

कासगंज धारा पोक्सो एक्ट के अभियोग में 01 वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया पुलिस अधीक्षक अंकित शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज राजेश कुमार भारती के पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी धारा पोक्सो एक्ट के अभियोग में 01 वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया ।हचलाये जा रहे अभियान के कृम पंजीकृत अभियोग में वांछित अभियुक्त इकरार पुत्र ज्याबुद्दीन शाह निवासी ग्राम बसई थाना सहावर जनपद कासगंज द्वारा वादी की नाबालिक पुत्री के साथ गलत काम करने के सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी सहावर शाहिदा

कैमरामैन इन्द्रपाल

नसरीन के नेतृत्व में वांछित अभियुक्त इकरार उपरोक्त सम्बन्धित मु0अ0सं0 09/25धारा127(2)/65(1)/352/351 (3) बीएनएस व 3ध्4 पो0एक्ट को ग्राम बसई प्राइमरी विद्यालय से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्धनियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

यातायात पुलिस कासगंज द्वारा चलाया गया अभियान ट्रैफिक नियमो का पालन करें और सुरक्षित सुरक्षित रहें

जननायकसम्राट/संवावदाता अमितकुमार

कासगंजपुलिस अधीक्षक कासगंज अंकिता शर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगरध्यातायात आंचल चौहान के नेतृत्व में यातायात प्रभारी लक्ष्मण सिंह द्वारा मय टीम के सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए माह जनवरी में एक विशेष यातायात सुरक्षा अभियान प्रारम्भ किया गया है। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है एवं यातायात नियमों के प्रति जनता को जागरुक करना है।यातायात पुलिस अभियान कासगंज उ0नि0 लक्ष्मण सिंह मय टीम

कैमरामैन इन्द्रपाल

,भारी आवागमन के स्थानों पर वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया एवं जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 114 वाहन चालकों के चालान किये गये है ।

रास्ता से परेशान जनता ने सांसद देवेश शाक्य को सौंपा ज्ञापन

जननायकसम्राट/संवावदाता अमितकुमार

जनपद कासगंज, सरकार चाहे कितने भी विकास कर ले लेकिन जनता की परेशानियां कहीं ना कहीं अटकी रहती हैं कहीं रास्ता खराब कहीं कीचड़ जैसे मामले कहीं ना कहीं देखने को मिल जाते हैं अभी वर्तमान सांसद से जनता को काफी उम्मीदें हैं की परेशानियों का हाल हो सके यही उम्मीद लेकर बढारी वैश्य की जनता अपनी अपनी परेशानी कासगंज सांसद देवेश शाक्य को ज्ञापन सौंपा है मामला है की बढारी वैश्य पर लगभग 1 किलोमीटर का रास्ता जर्जर पड़ा हुआ है जिससे कई गांव के लोगों को आने–जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वही गांव का मेंन गेट भी नहीं बना है जिससे गांव की एक

कैमरामैन इंद्रपाल

पहचान होती है गांव का मेन गेट बनवाने और जर्जर पड़ी सड़क सही करने के संबंध में सांसद देवेश शाक्य को ज्ञापन दिया है और जनता ने सांसद से यह अपील भी की है कि हमारी यह परेशानी समाधान से दूर करें जनता आपकी एहसान बंद रहेगी अब देखना यह है की सांसद द्वारा जनता की कब तक सुनवाई होती है।

इटावा के प्राइवेट स्कूल के दो होनहार छात्र आदित्य यादव और आर्यन यादव ने भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर स्कूल और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया

इटावा के प्राइवेट स्कूल के दो होनहार छात्र आदित्य यादव और आर्यन यादव ने भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर स्कूल और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आर्यन यादव ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी अद्भुत गति और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। आदित्य यादव ने 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल कर अपनी अद्वितीय सहनशक्ति और फोकस का परिचय दिया।छात्रों की इस सफलता के पीछे इन छात्रों की मेहनत केसाथ–साथ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक पवन यादव का भी बड़ा योगदान है। उनकी उत्कृष्ट कोचिंग और प्रेरणा ने छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद की। प्रधानाचार्या प्रियंका सिंह का निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन छात्रों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। उनके प्रयास से स्कूल का हर छात्र ऊंचाईयां छूने का सपना देखता है।स्कूल निदेशक अंकित यादव का विजन भी प्रशंसा के योग्य है, जो हर बच्चे को अपनी रुचियों को निखारने और उन्हें उपलब्धियों में बदलने का अवसर प्रदान करते हैं। होनहार छात्रों के परिजन बोले स्कूल प्रबंधन ने इन युवा एथलीट्स पर भरोसा किया और उन्हें इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। यह सफलता स्कूल की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आदित्य, आर्यन, उनके परिवार, पवन यादव, और संस्कृती इंटरनेशनल स्कूल की पूरी टीम को बधाई।

यूपी में IPS अधिकारियों का तबादला, DIG वैभव कुमार कृष्ण को नई जिम्मेदारी

यूपी में दो IPS अधिकारियों का तबादला किया गया है। DIG वैभव कुमार कृष्ण को कुंभ मेले में जिम्मेदारी मिली है। वहीं सुनील सिंह को आजमगढ़ का नया डीआईजी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने देर रात दो आईपीएस अधिकारियों का तबा. दला किया है। जिन अधिकारियों के तबादले हुए उनमें डीआईजी वैभव कुमार कृष्ण और आईपीएस सुनील सिंह शामिल हैं। डीआ. ईजी वैभव कुमार कृष्ण को महाकुंभ मेले में नए डीआईजी की तैनाती मिली है। ये अभी तक आजमगढ़ में तैनात थे। वहीं सुनील सिंह को आजमगढ़ का नया डीआईजी बनाया गया है।

जियो फाइबर के मैनेजर के अपहरण कांड में शामिल शातिर बदमाशो से हाथरस पुलिस व एसओजी की चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़

हाथरस से अपहरत जिओ मैनेजर पहुंचे अपने घर नवल नगर, परिजनों में छाई खुशी, हाथरस पुलिस को दिया धन्यवाद

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त होकर आए JIO फाइबर के मैनेजर अभिनव भारद्वाज ने हाथरस पुलिस का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने बताया– यदि हा. थरस पुलिस समय पर न पहुंचती तो बदमाश उनकी जान ले लेते। अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त होने के बाद अभिनव अपने घर पर पहुंचे तो उनके घर पर परिवार के लोग काफी खुश दिखाई दिए। अपहरण कांड में शामिल तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभिनव भारद्वाज पूरी आपबीती बताई। अभिनव ने बताया– 1 जनवरी को वह सिकंद्राराऊ गए थे। वहां उन्होंने कुछ काम निपटाए और उसके बाद सिकंद्राराऊ में अपने सहकर्मियों के साथ एक होटल में पार्टी में शामिल हुए। उसके बाद शाम 7 बजे के लगभग उनका ही एक सहकर्मी उन्हें सिकंद्राराऊ के पंत चौराहे पर छोड़ गया।इस चौराहे पर वाइन की दुकान की निकट उन्होंने कुछ खरीदारी की और पानी पिया तो वहां अपहरणकर्ता पहले से ही घात लगा कर बैठे थे। उन्होंने वहां पानी पिया तो इस पानी में कोई नशीली वस्तु मिली हुई थी। इस पर वह थोड़ा अचेत हो गए। थोड़ा अचेत अवस्था में ही वह टेंपो में बैठ गए तो बदमाशों ने उन्हें टेंपो से उतार कर अपनी स्विफ्ट कार में डाल लिया। कार में डालकर अल्मोडा ले गए।

वहां एक मकान के अन्दर बन्द कर रखा।घरवालों से फोन कर मांगते थे पैसे...मकान में उन चार लोगों के अलावा भी 5 लोग मुझको बन्धक बनाकर मारते पीटते थे। जबरन शराब पिलाते थे। घरवालों को फोन करके पैसे मांगते थे। व्हाट्सएप पर वीडियो काल से बात करा. ई। उस मकान में मुझे पकड़कर लाने वाले चारों लोगों के नाम एक दूसरे की बातों में 1. गोलू ठाकुर उर्फ यश, 2. गौरव, 3. गोलू उर्फ अंशुल व 4. प्रशान्त सुने थे, जो अपने आप को छतारी बुलन्दशहर के रहने वाले बता रहे थे।इनके अलावा 5 अन्य लोग विक्की, सूजल कुमार, करण बिष्ट, विशाल कुमार व विरेन्द्र नाम के लड़के जो अल्मोडा के रहने वाले थे, ने मुझे बन्धक बनाकर रखा था। शुक्रवार को यह लोग मुझे कार में बैठा कर लाए। मुझको यह कहकर गाड़ी में बिठाया कि चलो आज तुम्हारे घरवाले हमें पैसा देंगे।मुरादाबाद बसस्टैंड पर बदमाशों ने ले लिए थे रुपए...गाड़ी में गोलू ठाकुर उर्फ यश, गौरव, विक्की, व विशाल कुमार उर्फ लाटा थे। सूजल कुमार और करण बिष्ट एक स्कूटी से थे। गोलू उर्फ अंशुल, प्रशान्त और विरेन्द्र अलग किसी वाहन से थे। यह लोग मुझे स्विफ्ट गाडी में बै. ठाकर रामपुर लेकर आए। वहां पर मेरे एटीएम से पैसे निकालने की कोशिश की, लेकिन मैंने एटीएम का पिन गलत बता दिया था तो पैसे नही निकल सके, तब मुझे मारा पीटा भी था।पुलिस की फायरिंग में विशाल की लगी थी गोली... तब इन लोगों ने पुलिस पर फायर कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने भी गाडी पर फायरिंग की थी। पीछे बैठे विशाल की गर्दन के पास गोली लगी। इसके बाद यहां गली में गाड़ी खड़ी करके यह लोग गाड़ी से उतरकर भाग गये हैं। यह लोग मेरे फोन से ही मेरे घरवालों से बात कर रहे थे वह लोग फोन गाड़ी में छोड़कर भाग गए थे। भागे हुए लड़कों के बारे में पूछने पर बताया कि मेन सड़क की तरफ भागे हैं।घर पर लगा रहा लोगों का तांता. उन्होंने बताया कि हाथरस पुलिस और एसटीएफ ने उनके अपहरण के मामले में तत्काल एक्शन ले लिया और इसी वजह से उनकी जिंदगी बच गई, वरना अपहरणकर्ता फिरौती की रकम लेकर उन्हें मार देते। अभिनव भारद्वाज शहर के नवल नगर में वरिष्ठ अधिवक्ता राधा माधव के मकान में पिछले 2 साल से किराए पर रहते हैं। आज अभिनव का हालचाल पूछने वालों का तांता लगा रहा।पुलिस टीम पर अचानक से फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार. ्वाई की तो प्रशांत पुत्र महेश निवासी सहार थाना छतारी जिला बुलंदशहर और अंशुल उर्फ गोलू पुत्र नेम सिंह निवासी हतीशा थाना हाथरस गेट के पैर में गोली लग गई है। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। घायलों के पास से दो तमंचा, दो खोखा कारतूस और 4 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद हुई है। घायल प्रशांत के खिलाफ पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं।

हाथरस में एक सामाजिक संस्था निस्वार्थ सेवा संस्थान ने बागला जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

हाथरस में एक सामाजिक संस्था निस्वार्थ सेवा संस्थान ने बागला जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में रक्तदान के लाभ भी बताए गएइस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि सामाजिक संस्था समय–समय पर समाजसेवा के कार्य करती है। इसी क्रम में आज रक्तदान शिविर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को समय–समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान से किसी की जिंदगी बचती है। रक्तदान को इसीलिए महादान कहा जाता है।उन्होंने संगठन की अन्य गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही एक और सुबह संस्थान द्वारा लगाया जाएगा। रक्तदान करने आए समा. जसेवियों का भी इस मौके पर उत्साहवर्धन किया गया। शिविर के मौके पर रक्तदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। हाथरस में एक सामाजिक संस्था निस्वार्थ सेवा संस्थान ने बागला जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में रक्तदान के लाभ भी बताए गए।इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि सामाजिक संस्था समय–समय पर समाजसेवा के कार्य करती है। इसी क्रम में आज रक्तदान शिविर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को समय–समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान से काफी लाभ है। रक्तदान से किसी की जिंदगी बचती है। रक्तदान को इसीलिए महादान कहा जाता है।उन्होंने संगठन की अन्य गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही एक और सुबह संस्थान द्वारा लगाया जाएगा। रक्तदान करने आए समाजसेवियों का भी इस मौके पर उत्साहवर्धन किया गया। शिविर के मौके पर रक्तदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।ये रहे मुख्य रूप से मौजूद शिविर में मुख्य रूप से निस्वार्थ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव नीरज गोयल, कोषाध्यक्ष सीए प्रतीक अग्रवाल, प्रवक्ता हिमांशु गौड़, कॉर्डिनेटर चंद्र प्रकाश अग्रवाल, सोशल मीडिया प्रभारी सारांश टालीवाल, तरूण राघव, सुनील कुमार, निष्कर्ष गर्ग, वरुण अग. वाल, ध्रुव कोठीवाल, आशीष अग्रवाल आदि काफी लोग मौजूद थे।

क्रोधित किसान सड़कों पर उतरे, अफसरों के हाथ-पांव फूले

किसानों ने जिले में पूर्व में निकले दो हाईवे के लिए जमीन लेने के बदलने किसानों को उचित मुआवजा न दिए जाने, हर घर जल योजना के तहत होने वाले कार्यों के लिए खोदे गए रास्तों की मरम्मत न कराने, हसायन क्षेत्र में बारिश के कारण बर्बाद फसलों का किसानों को उचित मुआवजा न दिए जाने, बिजली विभाग द्वारा सही बिल नहीं दिए जाने का मुद्दा भी उठाया।तहसील सदर में 4 जनवरी को हुई भारतीय किसान यूनियन भानु गुट की महापंचायत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के नेतृत्व में किसान भड़क गए। किसान ज्ञापन लेने के लिए डीएम को बुलाने की मांग पर अड़ गए। किसानों ने तहसील के गेट के सामने आगरा–अलीगढ़ राजमार्ग पर धरना–प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। करीब पौने दो घंटे तक राजमार्ग पर आवागमन ठप रहा और वाहनों की कतारें लगी रहीं।तहसील सदर में 4 जनवरी की सुबह से सात सूत्री मांगों को लेकर भाकियू भानु की महापंचायत शुरू हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। महापंचायत में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे में जिले के चिन्हित 51 गांवों की भूमि के सर्किल रेट में बढ़ोतरी, रविकुंज भट्ठा वाली गली से अवैध कब्जा हटवाने, हा. थरस ब्रांच नहर और गांवों के रजबहों की सफाई कराने की मांग की गई।किसानों ने जिले में पूर्व में निकले दो हाईवे के लिए जमीन लेने के बदलने किसानों को उचित मुआवजा न दिए जाने, हर घर जल योजना के तहत होने वाले कार्यों के लिए खोदे गए रास्तों की मरम्मत न कराने, हसायन क्षेत्र में बा. रिश के कारण बर्बाद फसलों का किसानों को उचित मुआवजा न दिए जाने, बिजली विभाग द्वारा सही बिल नहीं दिए जाने का मुद्दा भी उठाया।राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि जब तक जिंदा रहूं, आखिरी सांस तक ऐसे ही चिल्लाता रहूं, मुझे आशीर्वाद दीजिए..। जो किसान की बात करेगा, वहीं देश पर राज करेगा। हमारी मांग है कि किसान आयोग की गठन करे। किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। यदि दुर्घटना में किसान मरे तो उसके परिजनों को एक करोड़ रुपये

दिए जाएं। उन्होंने महापंचायत समाप्त होने के बाद ज्ञापन देने के लिए जिलाधिकारी को बुलाने की मांग की। मौके पर मौजूद एसडीएम और सीओ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को मनाने का प्रयास किया, लेकिन भानु प्रताप सिंह अपनी जिद पर अड़ गए। उन्होंने जिलाधिकारी के न आने पर मोर्चा खोलते हुए तहसील सदर के सामने सड़क पर बैठकर धरना–प्रदर्शन कर दिया। सड़क पर ट्रैक्टर खड़े कर जाम लगा दिया गया।किसानों के सड़क पर बैठते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। करीब पौने दो घंटे तक आगरा–अलीगढ़ राजमार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे एडीएम डॉ. बसंत अग्रवाल और एएसपी अशोक कुमार ने किसानों को काफी समझाया–बुझाया, जिसके बाद किसान जाम खोलने पर राजी हो गए। अधिकारियों ने उनसे ज्ञापन लिया, जिसके बाद जाम खोल दिया गया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ कृ ष्णकांत रावत, जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ रजत, संकेत उपाध्याय, सतेंद्र सिंह, अमर सिंह, रौनक वार्ष्णेय, गौरव चौधरी अनेक किसान नेता मौजूद रहे।

हाथरस के सादाबाद क्षेत्र में ग्रामीणो ने विधुत विभाग पर मीटर के द्वारा अधिक बिल आने का आरोप लगा

हाथरस के सादाबाद क्षेत्र में ग्रामीणो ने विधुत विभाग पर मीटर के द्वारा अधिक बिल आने का आरोप लगाया। जिसके बाद से ग्रामीणों ने एक मुश्त योजना का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया।हाथरस के सादाबाद तहसील क्षेत्र के ग्रामीणों में बिजली के अत्यधिक बिलों को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि पहले 1000 रुपए तक आने वाला बिल अब 3000 से 5000 रुपए तक पहुंच गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए मीटर गलत बिलिंग कर रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए अधिकारी कार्यालयों के चक्कर लगाकर वे थक चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।बिसावर पैंठ में कैंप का बहिष्कारआज सादाबाद के ग्राम बिसावर में आयोजित विद्युत विभाग के मुफ्त योजना कैंप का ग्रामीणों ने बहिष्कार किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण कैंप स्थल पर एकत्र हुए और विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनके बिजली बिल सही नहीं किए जाते, वे किसी भी विद्युत कैंप में भाग नहीं लेंगे।कैंप में कोई वरिष्ठ अधिकारी न आने से ग्रामीणों की नाराजगी और बढ़ गई। ग्रामीणों का कहना था कि कैंप पर मौजूद कर्मचारी समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें अधिशासी अभियंता के पास या न्यायालय जाने की सलाह दे रहे हैं। इससे उनका धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने कैंप को बंद कराने पर मजबूर कर दिया।केबल काटने पर भड़के ग्रामीणग्रामीणों ने बिजली विभाग द्वारा मनमाने तरीके से केबल काटने की कार्रवाई पर भी रोष व्यक्त किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग बिना किसी पूर्व सूचना के कार्रवाई करता है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हाथरस के गांव नगला मलू में निर्माणधीन लिंटर का आगे का हिस्सा गिर गया

हाथरस के गांव नगला मलू में निर्माणधीन लिंटर का आगे का हिस्सा गिर गया। हादसे में 3 साल की बच्ची की मौत हो गई। परिवार के लोग उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां भी बच्ची को मृत घोषित कर दिया। गांव नगला मलू में मकान बन रहा था। इसका लिंटर पड़ रहा था। इस दौरान कुछ बच्चे वहां खेल रहे थे। एक बच्चा लिंटर के ऊपर हिस्से पर खेल रहा था। इसी दौरान लेटर का आगे का छज्जा नीचे गिर गया और नीचे मौजूद 3 साल की एक बच्ची दीक्षा पुत्री मानवेंद्र की मौत हो गई।मौके पर अफरा तफरी मच गई। परिवार के कुछ लोग उसे आनन–फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। वहां भी बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। इसके बाद परिवार के लोग डेडबॉडी को अपने साथ लेकर चले गए।

बंबे में मिला युवक का शव, परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

कोतवाली सादाबाद क्षेत्र के गांव नगला फत्ता के पास बंबे में बुर्ज धानौटी के युवक का शव मिला। शव मिलने की सूचना के बाद आस–पास के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। यहां पर परिवार के लोग भी आ गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका तजाई।कोतवाली सादाबाद क्षेत्र के गांव नगला फत्ता के पास बंबे में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के बारे में आस–पास के लोगों से पूछमाछ की तो शव की शिनाख्त गांव बुर्ज धानौटी निवासी 20 वर्षीय हरेंद्र सिंह पुत्र प्रेमचंद के रूप में हुई है। यहां पर उसके परिवार के लोग भी पहुंचे गए। परिजनों ने हत्या कर शव को बंबे में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। हरेंद्र गांव में खेती करके परिवार का पालन– पोषण करता था।परिजनों ने बताया कि हरेंद्र तीन जनवरी 2025 की दोपहर घर से अपनी मोपेड पर सवार हो मित्र के यहां जाने की कहकर निकाला था। उसने बताया था कि उसे मित्र ने बुलाया है, थोड़ी देर में वापस आ जाएगा, लेकिन देररात तक वह घर नहीं लौटा, जिस पर परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू की, परिजनों ने हरेंद्र को मित्र के घर व आस–पास के गांव व रिश्तेदारियों में तलाशा, लेकिन कहीं पर भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। इसी बीच गांव नगला फत्ता के पास बहने वाले जुगसना बंबे में हरेंद्र का शव मिला। उसका मोबाइल फोन भी घटनास्थल पर एक तरफ पड़ा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।किसी से कोई विवाद नहीं था। मित्र के बुलावे पर ही वह घर से गया था। उन्होंने पुलिस से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। हरेंद्र खेती–बाड़ी करता था और उसने अपने पीछे परिजनों के अलावा तीन बच्चों को भी रोते बिलखते छोड़ा है। घटना के संबंध में सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट व परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड बैठक में एजेंडे की कॉपियां फाड़ीं, नहीं पास हुआ 900 करोड़ का बजट

अलीगढ़ नगर निगम की बोर्ड बैठक में अधिकारी 15 मिनट तो महापौर 30 मिनट लेट पहुंचे। मेयर के कुर्सी संभालते ही पार्षद सीटों पर बैठने को लेकर भिड़ गए। बैठने के लिए कुर्सी न होने पर पार्षदों ने जमकर हंगामा किया उसके बाद जमीन पर बैठ गए।दस महीने बाद अलीगढ़ नगर निगम बोर्ड की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। जवाहर भवन सदन में सपा और भाजपा के पार्षदों ने निगम के अफसरों पर भ्रष्टाचार और नियमों का ताक पर रख कर काम करने के आरोप लगाए। नाराज पार्षदों ने सदन में एजेंडे की कापियों को फाड़ कर उड़ा दिया। निगम ने बैठक को स्थगित कर दिया। जिससे 900 करोड़ रुपये का बजट पास नहीं हो सका।नगर निगम के सेवा भवन में 4 जनवरी को 2024–25 के 900 करोड़ रुपये के मूल बजट को पास करने को लेकर बोर्ड की बैठक बुलाई गई। इसमें अधिकारी 15 मिनट तो महापौर 30 मिनट लेट पहुंचे। मेयर के कुर्सी संभालते ही पार्षद सीटों पर बैठने को लेकर भिड़ गए। बैठने के लिए कुर्सी न होने पर पार्षदों ने जमकर हंगामा किया उसके बाद जमीन पर बैठ गए। खुद सहायक नगर आयुक्त को सदन में उतर कर कुर्सी का प्रबंध करना पड़ा।पार्षदों के मान–सम्मान से लेकर क्षेत्रवासियों की समस्या के समाधान करने और मनमानी रोकने के बिंदुओं को पार्षद कुलदीप पांडेय ने सदन में रखना शुरू किया। इस दौरान उनसे सत्ता पक्ष के दो पार्षद भिड़ गए। मगर उन्होंने उसे नजर अंदाज कर अपनी बात जारी रखी। जिससे अधिकारी भी सहमत रहे। उनके प्रस्ताव को नगर आयुक्त व मेयर ने हरी झंडी दे दी। इसके बाद पार्षद पुष्पेंद्र जादौन ने सीएंडडीएस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए नगर निगम के अफसर और बड़े जनप्रतिनिधि पर भी आरोप लगाए।वहीं, सपा के पार्षद मो. हफीज अब्बासी ने मिट्टी बेचने का मुद्दा उठाया। हंगामे के बीच नगर आयुक्त ने उप लेखा परीक्षक जंग बहादुर सिंह को बजट पढ़ने को कहा। मगर पार्षद कुलदीप पांडेय ने नगर निगम के अधिनियमों और नियमों का हवाला देकर बजट को फर्जी करार दे दिया। सभी पार्षद उनके साथ खड़े होकर बजट पास न करने पर डट गए। लगभग 13 से 20 मिनट तक अधिकारी इसकी काट निक. ालने के लिए जूझते रहे। इस दौरान कुलदीप पांडेय को डेस्क पर भी बुलाया गया मगर उन्होंने आने से मना कर दिया। शाम को पौने पांच बजे नगर निगम ने बोर्ड की बैठक को स्थगित कर दिया।सीवर सफाई, ट्यूबवेल, खनन, कब्जा और अतिक्रमण का मुद्दा छाया रहानगर निगम के बोर्ड की बैठक में साढ़े तीन घंटे तक सीवर की सफाई, मिनी ट्यूबेल, खनन, कब्जा और अतिक्रमण को लेकर पार्षद निगम के अफसरों को घेरते रहे। जिसमें फंस कर अफसर एक दूसरे को ताकते रहे और अंत में बैठक को निरस्त कर दिया।पार्षद पुष्पेंद्र जादौन ने कहा कि सीएंडडीएस के द्वारा जनकपुरी, मैरिस रोड सहित अन्य क्षेत्रों में पांच करोड़ रुपये से सीवर लाइन की सफाई की गई थी। आरोप लगाया कि रातों–रात सफाई करके कार्यदायी संस्था निकल गई। अब फिर से सीवर लाइन चोक हो गई है।यही हाल मिनी नलकूप का है। सीएंडडीएस नलकूप बना रही है। कई स्थानों पर नलकूप चल भी नहीं रहा है। जलकल विभाग के कुछ अधिकारियों ने बताया कि 10 से 12 लाख रुपये से लगने वाला मिनी ट्यूबवेल बनाने के लिए कंपनी 32 लाख रुपये ले रही है। मेयर ने इसकी जांच का आदेश दिया है।मिट्टी खनन के जांच के आदेश सपा पार्षद मो. हफीज अब्बासी ने पूछा कि शक्ति नगर में पोखर की खुदाई से निकलने वाली मिट्टी कहां गई? ट्रैक्टर–ट्राली और डंपर से मिट्टी ढोयी जा रही है। इस पर नगर निगम के अधिकारी के मुख्य अभियंता ने अपने मातहत को माइक थमा दिया। जिसमें वह जवाब नहीं दे पाए। इस मामले में भी मेयर ने जांच का आदेश दिया है।निगम की जमीन पर अवैध निर्माण का मुद्दा उठाउप सभापति दिनेश जादौन ने एलमपुर में सरकारी जमीन पर बने मकानों को ध्वस्त करने और चूहरपुर में 1800 वर्ग फीट जमीन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 17 महीने बाद भी न तो निगम की जमीन पर बने अवैध मकानों को ध्वस्त कराया गया और न ही चूहरपुर की जमीन नापी गई है। सवाल नगर आयुक्त से किया जा रहा था, मगर निशाना सहायक नगर आयुक्त पर था। मेयर ने एक माह में निस्तारण का आदेश दिया है। 100 कामों की प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई पार्षद संजय पंडित ने कहा कि कई निर्माण कार्य को पास कराया जा चुका है। मगर उनमें से 100 के करीब कार्य ऐसे हैं, जिनकी प्रक्रिया भी अभी तक नहीं शुरू हो पाई। छह माह से अधिक समय बीत गया। इस पर मुख्य अभियंता ने बताया कि 1520 कार्य की स्वीकृति मिली थी। 927 पूरा हो चुका है। 70 कार्य प्रगति पर हैं तो 132 पर टेंडर की कार्यवाही चल रही है। इस पर मेयर न उन्हें जल्द से जल्द कार्य पूरा कराने का कहा।पार्षद कुलदीप पांडेय ने मांग की कि पार्षदों को कक्ष दिया जाए। जन्म–मृत्य प्रमाण पत्र के लिए लाइन में पार्षद नहीं लगेंगे। चार जोन के अधिकारियों के पास जन्म–मृत्य प्रमाण पत्र का आवेदन जमा होगा और वहीं रसीद कटेगी। इसके अलावा हाउस टैक्स के सर्वे, सीलिंग व सुनवाई को जाने वाली टीम पार्षदों को साथ लेकर जाएगी। मृत्यु प्रमाण पत्र की 50 रुपये की रसीद नहीं कटेगी।मेयर ने किया अधिकारियों का बचाव बोर्ड की बैठक में पार्षदों के सवालों का जवाब देने के साथ ही मेयर ने उनके सवालों पर अधिकारियों को भी चेतावनी दी। मेयर ने निगम के अफसरों का बचाव किया, और कई मामलों में जांच के आदेश दिए। साथ ही पार्षद कक्ष का 10 महीने में निर्माण कराने का भी भरोसा जातया। तब तक सेवा भवन में कार्यालय दिया गया है।

प्रकाश सक्सैना जी की आत्मा की शांति के लिए हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी विवेक बंसल की ओर से धर्मपुर कोर्टयार्ड मैरिस रोड पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

अलीगढ़ के अति वरिष्ठ कांग्रेसी श्री ज्ञान प्रकाश सक्सैना जी का दिनांक 25 दिसंबर 2024 को आकस्मिक निधन हो गया था ।उनके निधन से अधिकाँश कांग्रेसजन अपने आपको अनाथ समझने लगे हैं ।आज ज्ञान प्रकाश सक्सैना जी की आत्मा की शांति के लिए हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी विवेक बंसल की ओर से धर्मपुर कोर्टयार्ड मैरिस रोड पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।श्रद्धांजलि सभा में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए विवेक बंसल ने कहा कि आदरणीय भाइ. ीसाहब बड़े सुलझे हुए विचारों के नेता थे अक्सर वो कार्यकर्ताओं की भी मदद करते रहते थे, कभी भी कोई मतभेद पैदा हुए तो उन्होंने आपस सामंजस बैठाकर उन्हें समाप्त कराया वे काफी सीधे एवं सरल स्वाभाव के व्यक्ति थे और मेरे अभिवावक की तरह से थे उन्होंने सेवानिवृत होने के बाद भी अपना जीवन शान से बिताया जिसका मुझे गर्व है वे प्रतिदिन मेरे कार्यालय आते थे और घंटों बैठते थे जिससे मेरे कार्यालय पर उनके होने से काफी रौनक रहती थी ।कोरोना काल में जब लोग अपने अपने घरों दुबके हुए थे तब भी उन्होंने मेरे कार्यालय आना बंद नहीं किया ।आज मैं इस बात से काफी व्यथित हूँ कि भाईसाब अब कभी भी मेरे कार्यालय नहीं आयेंगे मैं काफी बुझे हुए मन से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वो उन्हें अपने चरणों में स्थान दे ।श्रद्धांजलि सभा में समाजसेवी अशोक सक्सैना, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह, शहर अध्यक्ष, नवेद खान, वरिष्ठ कांग्रेसी गया प्रसाद गिर्राज, कैलाश बाल्मीकि, नफीस शेरवानी, गोपाल मिश्रा आदि ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये इस श्रद्धांजलि सभा का संचालन डा० राकेश सक्सैना ने किया श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित प्रमुख लोगों में श्री ज्ञान प्रकाश सक्सैना जी पुत्री डा यो. गिता सक्सैना, उनके पुत्र विशाल सक्सैना, पौत्र व पौत्री के साथ साथ वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीमती विजय लक्ष्मी सिंह, विष्णुकांत गुप्ता मामा, विनोद प्रियदर्शी, सर्वेश कुमार वार्ष्णेय, किशन लाल, सुनील कुमार साइंटिफिक, सय्यद राशिद अली, मोहम्मद सुहैल अख्तर, तल्हा अबरार, प्रदीप रावत, सलाउद्दीन वसी, नदीम गफूर, दिनेश कुमार शर्मा, मोहम्मद साबिर, रामवीर सिंह बघेल एड, अमजद हुसैन, जितेन्द्र कुमार तोशी, पार्षद बिजेंद्र सिंह बघेल, धर्मेन्द्र वशिष्ठ, मोहम्मद यामीन खान मेव, सुनील कुमार जाटव, आनंद बघेल, डा० नबी अहमद, कुतुब उद्दीन, रईस गाजी, भूदेव प्रसाद, बाबुद्दीन अब्बासी, ब्रजेश सविता, मोहनलाल पप्पू, चमन अल्वी, गौरव गुप्ता, मोहम्मद अनवार, संजय कुमार माथुर, अजय बघेल, नंद किशोर, सरदार जगविंदर जग्गी, धनंजय दीक्षित, सुमित कुमार कालू, अजीत कुमार, मोहम्मद यासीन, चंद्रप्रकाश गोयल, राजकुमार पहाड़िया, शहजाद दीवानजी, हेमप्रकाश सैनी, शादाब हाश्मी, फुरकान खान, मोहम्मद खालिद, दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, रामेश्वर दयाल, अनुज अग्रवाल, इन्द्रपाल सिंह, गंछी पाल सिंह, गौरव कुमार गुप्ता, अकील अहमद कस्सार, मोहम्मद फैजल, हरेंद्र सिंह, सोनू कुमार, राजेश कुमार, आदि थे ।

रॉबिन हुड आर्मी अलीगढ़ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

जरूरतमंदों को रजाई ,कंबल एवं दिव्यांग को वॉकर दिया, .प्रमुह हस्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में सम्मानित किया गया

जननायक सम्राट रिर्पोटर बबिता सिंह

अलीगढ़ रॉबिन हुड आर्मी अलीगढ़ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन मलखान सिंह जिला अस्पताल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.डी.के. वर्मा ,अजय चौधरी जी ,भरत शर्मा, प्रांजल अग्रवाल,ललित उपाध्याय ,बिट्टू भईया और सुनील जी की गरिमामय उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करके किया गया।. रक्तदान शिविर में 35 रक्तवीर योद्धाओ ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालो में विष्णु,लव,शिवम,कृति,आशीष,प्रीति,मोहित ,शिवानी,शेखर गुप्ता,कुलदीप सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में धीरज अरोरा, प्रांजल अग्रवाल,भरत शर्मा,भारती,गौरव,ज्योति शर्मा,शुभम देव,शुभम शर्मा,मानपाल,मुकेश,देवांशू आदि ने सहयोग किया।

बच्चों को दूध पिलाने के लिए महिलाओं को नहीं ढूंढना होगा एकांत, मेडिकल में बने तीन स्तनपान केंद्र

अलीगढ़ के मेडिकल में आने वाली मि. हलाओं को अपने बच्चों के लिए दूध पिलाने के लिए एकांत की जगह तलाशनी पड़ती थी। अब मेडिकल में तीन स्तरकेंद्र बनाए गए हैं। तीनों केंद्रों में पर्याप्त रोशनी, माताओं के बैठने के लिए सोफे की व्यवस्था की गई है। एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज के मुख्य ओपीडी हॉल, बाल चिकित्सा आ. `पीडी और एसएनसीयू परिसर में स्तनपान केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां दूध पिलाने वाली माताओं की निजता का भी पूरा ख्याल रखा गया है। तीनों केंद्रों में पर्याप्त रोशनी, माताओं के बैठने के लिए सोफे की व्यवस्था की गई है।

समाज कल्याण सेवा संस्थान ट्रस्ट रजिस्टर्ड कार्यक्षेत्र संपूर्ण भारत का चौथ। स्थापना दिवस हिंदू इंटर कॉलेज अचल रोड अलीगढ़ में धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य, सपा वरिष्ठ नेता एवं कॉलेज प्रबंधक अश्विनी शर्मा ,सूबेदार मेजर खजान शर्मा ,समाज कल्याण अधिकारी विकास संध्या रानी बघेल, संस्थापक अध्यक्ष राजेश गौड़ ,महर्षि गौतम परिवार के संस्थापक परमेंद्र गौतम एवं विनीत गर्ग ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया एवं अति विशिष्ट अतिथि एवं जिला विकास अधिकारी की धर्मपत्नी दीप्ति सचान ने मां सरस्वती के छवि चित्र पर माल्यार्पण एवं तिलक कर किया कार्यक्रम में गरीबों को कंबल रजाई एवं दिव्यांग को वॉकर देकर सम्मानित किया गया सैनिक सेवा के क्षेत्र में सूबेदार मेजर खजान शर्मा, व्यवसाय क्षेत्र में परमेंद्र गौतम एवं विनीत गर्ग , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से आलोक आर्य एवं सेनानी गैस एजेंसी के प्रबंधक को शाल उड़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर गर्म जोशी से सम्मानित किया सभी अतिथियों ने संस्था को तन–मन – धन से पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया स मुख्य अतिथि आलोक आर्य ने अपने संबोधन में कहा की संस्था प्रतिवर्ष गरीबों की सेवा के लिए कार्यक्रम करती रहती है तथा गरीबों की सेवा करने से टीम में ऊर्जा का संचार होता हैस स मुख्य अतिथि अश्वनी शर्मा ने अपने संबोधन में संस्था को बधाई देते हुए प्रत्येक कार्यक्रम के लिए निरूशुल्क विद्यालय उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थापक अध्यक्ष राजेश गौड़ ने की तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रवक्ता डॉ विनय कुमार शर्मा मंत्री आनंद वर्धन एवं संस्कृति मंत्री चंद्रप्रकाश चंदेल ने संयुक्त रूप से किया इस अवसर पर सर्वोच्च सेवा सम्मान कॉलेज कर्मचारी जसवंत सिंह चौहान को मुख्य अतिथि द्वारा शाल उड़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर विष्णु दत्त गौड़, श्याम प्रकाश शर्मा, हरिशंकर पोरवाल, अनिल शर्मा, राकेश कुमार शर्मा ,बृजभूषण शर्मा एवं प्रभात कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिनका भी सम्मान किया गया। संस्थापक अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित जनों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया

जैन समाज ने किया नूतन वर्षाभिनंदन कार्यक्रम, डीजे की धुन पर झूमे लोग

जैन समाज ने किया नूतन वर्षाभिनंदन कार्यक्रम, डीजे की धुन पर झूमे लोग रविवार को कृष्णापुरी स्थित बाबूलाल जैन इण्टर कॉलेज में श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में सकल जैन समाज ने बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ नववर्ष कार्यक्रम आगाज किया। सभी ने गीत–संगीत व नृत्य के आनंद के बीच लजीज व्यंजनों का स्वाद लिया। उत्सव व उल्लास के बीच खट्टी–मीठी यादों के साथ वर्ष 2024 को विदाई दी और नए वर्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रारंभ समिति की महिलाओं द्वारा मंगलाचरण से किया। कार्यक्रम में मनोरंजक कपल गेम,म्यूजिकल हाऊजी,बच्चों के गेम कराए गए। रॉक स्टार म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सुन्दर सुन्दर प्रस्तुति पर सभी लोग थिरकते नजर आये। इस मौके को यादगार बनाने के लिए समिति द्वारा खास इंतजाम किए हैं। यहां अलग–अलग उम्र के लोगों के लिए अनोखे और आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जिसका सभी वर्ग के उम्र के लोगों ने खूब आनंद उठाया।कार्यक्रम का संचालन हाथरस से पधारे विशाल जैन ने किया।कार्यक्रम में राजीव जैन,मुनेश जैन ,मुकेश जैन,मयंक जैन प्रशांत जैन,कुणाल जैन ,सौरभ जैन पांड्या,राहुल जैन,अशोक जैन,बबलू जैन,यतीश जैन ,सुरजीत जैन, नीना जैन,सीमा जैन,पूर्वी जैन ,नीरजा जैन,आरती जैन , ऋतु जैन ,मीनू जैन,गरिमा जैन,अंजना जैन का विशेष सहयोग रहा।

श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की दी तिलांजलि, कल्याण सिंह की जयंती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती के अवसर पर आज रविवार (5 जनवरी) को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल्याण सिंह भारत मां के महान सपूत, राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे. 1932 में अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में आज ही के दिन सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था.सीएम योगी ने कहा कि बाल्यकाल से ही देश की आजादी की लड़ाई को देखने, स्वतंत्रता के बोध व भावी भारत के निर्माण में हमारी क्या भूमिका होग. इन संस्कारों से ओतप्रोत बालक कल्याण सिंह ने उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था. किसान, शिक्षक, 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद, दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनकी कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर किसी ने स्वीकार किया.सीएम योगी ने कहा कि उनकी स्मृतियों की जीवंतता बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार ने लखनऊ में अत्याधुनिक कैंसर इंस्टीट्यूट और बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नामकरण भी श्रद्धेय कल्याण सिंह जी के नाम पर रखा है. सीएम ने कहा कि सत्ता के लिए लोग सिद्धांतों की तिलांजलि दे देते हैं, कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह जैसे व्यक्तित्व ने मूल्यों व सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया. रामजन्मभूमि आंदोलन और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए उनके द्वारा 1990 के दशक के प्रारंभ व उत्तरार्ध में जो प्रयास प्रारंभ किए गए थे, वह नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराते हैं.श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की तिलांजलि दीसीएम योगी ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को पहली बार इसका अहसास तब हुआ, जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करके कल्याण सिंह ने शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाया. उस समय भी उन्हें अस्थिर करने के लिए झुंड के झुंड अव्यवस्था फैलाने पर उतारू थे. उसकी परवाह किए बिना उन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की तिलांजलि दी. उनकी दूरदर्शिता थी, जो सपना उन्होंने देखा, वह साकार हो गया. आज अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो गया तो उनकी आत्मा को भी असीम शांति प्राप्त हुई होगी.सीएम योगी ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के जिस एकात्म मानववाद को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में सीखा था, उसे धरातल पर भी उतारा. अन्नदाता किसानों के लिए घोषित योजनाएं हों, नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से उप्र के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने के उनके द्वारा चलाया गया अभियान भी अनुकरणीय है. नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन लगाया सीएम योगी ने कहा कि 21 अगस्त 2021 को वे भौतिक काया से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनका मार्गदर्शन शासन–प्रशासन के लिए आज भी पाथेय बना है. उप्र में जब भी शुचिता की बात होती है, हर प्रदेशवासी श्रद्धा–सम्मान के साथ कल्याण सिंह का नाम लेता है. उनके द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान मजबूती के साथ सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करके आमजन के जीवन में परिवर्तन करते दिखाई देते हैं. जिस नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन लगाया, उसके लिए हम सब मिलकर कार्य करें. सीएम ने कहा कि राष्ट्रवाद व सुशासन का मंत्र ही नए भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका को रेखांकित कर पाएगा. शिक्षा को नई दिशा दे रहे कल्याण सिंह के पौत्र– सीएम योगीसीएम योगी ने कहा कि जिस बेसिक शिक्षा स्कूल के छात्र के रूप में कल्याण सिंह ने पढ़ाई और अध्यापक के रूप में कार्य किया होगा. उनके पौत्र आज उस विभाग के मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहे हैं. यही पूर्वजों की तपस्या और साधना का फल है, सही दिशा में किए

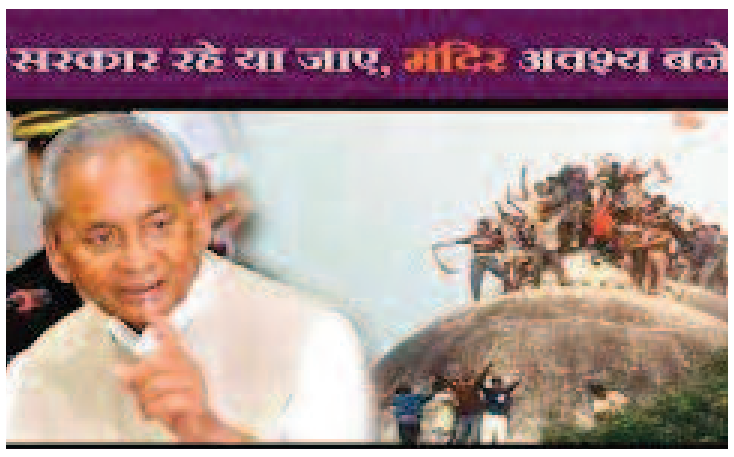

गए प्रयास से परिणाम अवश्य आएंगे. 25 करोड़ जनता के जीवन में सुरक्षा व खुशहाली लाकर कल्याण सिंह के सपनों का उत्तर प्रदेश बढ़ाया जा सकता है. कल्याण सिंह लोधी (5 जनवरी 1932 21 अगस्त 2021) एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे वो राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रह चुके हैं। इससे पहले वो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वो दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। विवादित बाबरी मस्जिद विध्वंस होने के समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह लोधी जी थे उत्तर प्रदेश के लोग कल्याण सिंह जी को प्यार से बाबूजी पुकारते थे और उन्हें 26 अगस्त 2014 को राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्हें प्रखर राष्ट्रवादी रा. जनेता के रूप में जाना जाता था। उन्हें वर्ष 2022 में भारत का दूसरा सर्वोच्च पुरस्कार पद्मविभूषण से सम्मा. नित किया गया है।कल्याण सिंह का जन्म 6 जनवरी 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में लोधी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री तेजपाल सिंह लोधी और माता का नाम श्रीमती सीता देवी था! कल्याण सिंह लोधी 2 बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और कई बार अतरौली के विधानसभा सदश्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, और साथ ही रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पहली बार कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री वर्ष 1991 में बने और दूसरी बार यह वर्ष 1997 में मुख्यमंत्री बने थे। ये प्रदेश के प्रमुख राजनैतिक चेहरों में एक इसलिए माने जाते हैं, क्यूंकि इनके पहले मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान ही बाबरी मस्जिद की घटना घटी थी।मृत्यु 21 अगस्त 2021वो जून १९९१ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये ६ दिसम्बर १९९२ को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया।बाबरी मस्जिद विध्वंश के बाद वो १९९३ के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अत्रौली और कासगंज से विधायक निर्वाचित हुये। चुनावों में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरा लेकिन मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में समा. जवादी पार्टी–बहुजन समाज पार्टी ने गठबन्धन सरकार बनायी।ख3, विधान सभा में कल्याण सिंह विपक्ष के नेता बने थे।वो सितम्बर १९९७ से नवम्बर १९९९ तक पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।२१ अक्टूबर १९९७ को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कल्याण सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। कल्याण सिंह पहले से ही कांग्रेस विधायक नरेश अग्रवाल के सम्पर्क में थे और उन्होंने तुरन्त शीघ्रता से नयी पार्टी लोकतांत्रिक कांग्रेस का घटन किया और २१ विधायकों का समर्थन दिलाया।ख5, इसके लिए उन्होंने नरेश अग्रवाल को ऊर्जा विभाग का कार्यभार सौंपा।दिसम्बर १९९९ में कल्याण सिंह ने पार्टी छोड़ दी और जनवरी २००४ में पुनः भाजपा से जुड़े। 6, २००४ के आम चुनावों में उन्होंने बुलन्दशहर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा। २००९ में उन्होंने पुनः भाजपा को छोड़ दिया और एटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद चुने गये।राज्यपालसिंह ने ४ सितम्बर २०१४ को राजस्थान के राज्यपाल पद की शपथ ली।ख7, उन्हें जनवरी २०१५ में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का अति. रिक्त कार्यभार सौंपा गया।

संपादकीय भरोसा बढ़ाने वाले फैसलों की प्रतीक्षा, बजट से जनता को कई उम्मीदें

मोदी सरकार इच्छाशक्ति तो दिखा रही है लेकिन यह कहना कठिन है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों को समय रहते आगे बढ़ा सकेगी। अच्छा हो कि मोदी सरकार अगले माह जो बजट पेश करने जा रही है उसके जरिये न केवल यह दिखाए कि बहुमत से दूर रहने के बाद भी वह एक सक्षम सरकार है और अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अडिग है।संजय गुप्त। पिछले लोकसभा चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत नहीं मिला तो इसके कयास लगाए जाने लगे कि गठबंधन सरकार उस वेग और लचीलेपन के साथ कार्य नहीं कर पाएगी, जैसा पिछले दो कार्यकालों में दिखा था। गठबंधन सरकार की अपनी मजबूरियां होती हैं। तीसरी पारी में मोदी सरकार को अपना एजेंडा इसे ध्यान में रखकर बढ़ाना है कि वह नीतीश कुमार की जदयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर है।मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लगभग सात माह पूरे कर चुकी है। इस दौरान ऐसा लगा कि वह कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा तय किए जा रहे नैरेटिव और उनके विरोध के कारण उस गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसकी अपेक्षा की थी। यह साफ दिख रहा है कि उसे वक्फ अधिनियम, एक देश–एक चुनाव पर विपक्ष के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का अपना जो पहला बजट पेश किया, उसमें ऐसे क्रांतिकारी कदम नहीं दिखे, जो देश की मूलभूत समस्याओं का निराकरण कर पाते।यदि संसद के पिछले सत्रों को देखा जाए तो मोदी सरकार महत्वपूर्ण समझा जाने वाला एक मात्र बिल– भारतीय वायुयान विधेयक ही पारित करा सकी है।पिछली सरकारों की तरह मोदी सरकार भी रह–रहकर होने वाले विधानसभा चुनावों का सामना करती है। बार–बार चुनावों के चलते सत्तापक्ष को विपक्ष को जवाब देने के लिए उस जैसे ही तौर–तरीके अपनाने पड़ते हैं। कई बार तो उसे न चाहते हुए भी वह सब करना पड़ता है, जो आर्थिक दृष्टि से सही नहीं होता। भाजपा को वैसी जन कल्याणकारी योजनाएं घोषित करनी पड़ी हैं, जैसी विपक्षी दलों ने वोट हासिल करने के लिए घोषित कीं। महिलाओं को मासिक भुगतान देने का जो चलन शुरू हुआ है, उससे अब कोई भी दल अछूता नहीं है। महिलाओं को आकर्षित करने वाली इन योजनाओं के कारण ही महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। मध्य प्रदेश, हिमाचल, कर्नाटक और झारखंड में भी ऐसी योजनाएं वोट हासिल करने का जरिया बनीं। अब दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी इसी तरह की योजना लेकर आई है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, सरकारी कोष पर बोझ बनने वाली ऐसी योजनाओं को संचालित करने से बुनियादी बदलाव लाने वाली योजनाएं शुरू करने में समस्या होती है।मोदी सरकार कुछ दूरगामी प्रभाव वाली नीतियों पर कार्य कर रही है, जैसे जल प्राधिकारण बनाने की तैयारी।उसने तीन नए आपराधिक कानूनों पर अमल भी शुरू हुआ है। इसके अलावा मोदी सरकार ने कुछ अन्य ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जो प्रभावशाली हैं, लेकिन उनके नतीजे सामने आने में समय लगेगा। कोई नहीं जानता कि महत्वाकांक्षी उद्देश्य वाले जल प्राधिकरण के गठन का लाभ कब तक मिलने मिलेगा। इसी तरह यह कहना भी कठिन है कि राष्ट्रीय जल नीति कब तक प्रभावी रूप में लागू हो सकेगी। ध्यान रहे कि अभी जनता को शुद्ध पेयजल के ही लाले पड़े रहते हैं। यह ठीक है कि हर घर नल योजना आगे बढ़ रही है, लेकिन क्या वह सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा पा रही है?आज भारत जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे पिछले कई वर्षों में अनदेखी के चलते गंभीर रूप ले चुकी हैं। उदाहरणस्वरूप शहरों का चरम. राता आधारभूत ढांचा, बिगड़ती हुई आबोहवा और नदियों का अत्यधिक प्रदूषित होते जाना। ये समस्याएं स्वास्थ्य के लिए हानिक. ारक बन रही हैं। तथ्य यह भी है कि किसानों की हालत सुधारने के अनेक कदम उठाए जाने के बाद भी उनकी आय दोगुना करने का लक्ष्य दूर है। मोदी सरकार न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं कर सकी है।समय पर न्याय सुलभ होना एक दूर की कौड़ी है। न तो न्यायपालिका में सुधार हो पा रहा है और न ही नौकरशाही में। नौकरशाही में निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा इसलिए है कि उसे जवाबदेह नहीं बनाया जा पा रहा है। इसी तरह पुलिस सुधार भी लंबित ही हैं। मोदी सरकार अपने पिछले कार्यकाल में जो नई शिक्षा नीति लाई थी, उस पर अमल बहुत धीमी गति से हो रहा है। अभी इस नीति के सकारात्मक प्रभाव दिखने शुरू नहीं हुए हैं।एक ओर जहां उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में युवा विदेश की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं जो युवा भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वे रोजगार पाने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। युवाओं की जितनी भीड़ सरकारी नौकरियां पाने के लिए लालायित दिखती है, उतनी नौकरियां हैं नहीं। चूंकि जरूरी समझे जाने वाले राजनीतिक सुधार भी नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए राजनीति जनसेवा के लक्ष्य से दूर होती जा रही है। वह येन–येन प्रकारेण वोट बैंक बनाने का जरिया बन गई है।मोदी सरकार न तो अपने समक्ष उपस्थित चुनौतियों से अनभिज्ञ हो सकती है और न ही इससे कि जनता की बेचैनी बढ़ती जा रही है। यह सही है कि मोदी सरकार कई बुनियादी समस्याओं के हल के लिए प्रयत्नशील है, लेकिन उसे यह ध्यान रखना होगा कि जनता अपनी कई समस्याओं का तत्काल समाधान चाहती है। ऐसा तभी हो सकेगा, जब समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी इच्छाशक्ति का परिचय दिया जाएगा।मोदी सरकार इच्छाशक्ति तो दिखा रही है, लेकिन यह कहना कठिन है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों को समय रहते आगे बढ़ा सकेगी। अच्छा हो कि मोदी सरकार अगले माह जो बजट पेश करने जा रही है, उसके जरिये न केवल यह दिखाए कि बहुमत से दूर रहने के बाद भी वह एक सक्षम सरकार है और अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अडिग है। इससे भी आवश्यक यह है कि आगामी बजट जनता में यह भरोसा बढ़ाने वाला साबित हो कि उसकी कुछ समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी तरीके से समाधान होने जा रहा है।

सनातनता का अमृत पर्व महाकुंभ

महाकुंभ इसी अमृत–पुरुष भारत का विलक्षण प्राकट्य है। इस पर्व की पृष्ठभूमि देखने चलें तो, इतिहास–पुराण के अनेक प्राचीन पृष्ठ हमारे सम्मुख उभरते हैं। देवासुर–संग्राम, कद्रू–विनता का द्वंद्व और भगवान धन्वंतरि द्वारा प्रदत्त अमृत–कुंभ की प्राप्ति से संबद्ध अनेक रोचक कथाओं के अध्याय कुंभ की कथाओं में निहित हैं। वस्तुतः व्यष्टि के समष्टि में योजित हो जाने के असाधारण अनुभव की प्रयोगशाला है महाकुंभ।परिगणित काल–बोध के पूर्व से प्रवाहित त्रिवेणी में हमारे इतिहास–बोध के प्रेत मुक्त हो जाते हैं। अनगिनत पीढ़ियों के अविच्छिन्न प्रवाह की साक्षी गंगा, अपनी अबूझ कर्म–परंपरा की यमुना और गोत्रकार ऋषि से लेकर होनहार वंशजों तक अदृष्ट, किंतु अक्षुण्ण सरस्वती के सम्मुख अपने होने–न होने का तुच्छतर प्रमेय निरस्त हो जाता है। पितरों के तर्पण और पुत्र–पौत्रों के मंगल की प्रार्थना करती पीढ़ी पूर्वजों से वंशजों तक अपनी सनातन उपस्थिति को देख पाती है। पुत्रों के रूप में विद्यमान पिता, शिष्यों के रूप में विद्यमान गुरु और सहस्राब्दियों में इन सबको समेटे हुए महाकुंभ सनातनता का अमर उद्गीथ बनकर प्रकट होता है।प्रत्येक 12 वर्षों के अंत. राल में होने वाला महापर्व उस तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा है,जो गंगा–यमुना–सरस्वती का संगम है। यह हमारे धार्मिक–पौराणिक भूगोल की पवित्रतम भूमि होने के साथ ही हमारे आध्यात्मिक सांस्कृतिक–देशकाल–बोध का भी चिरंतन प्रमाण है। अपनी प्राचीनतम ऋषि परंपरा से अनुप्राणित भारत कुंभ में अपनी अविच्छिन्न परंपरा का दर्शन करता है। सभी परंपराओं के प्रमुख आचार्य, जगद्गुरु, महामंडलेश्वर और संत–महंत यहां एकत्र होते हैं। अपने पौराणिक माहात्म्य, आध्यात्मिक अनुभव, ऐतिहासिक गौरव, सांस्कृतिक दिव्यता और भौगोलिक भव्यता के साथ ही वर्ष 2025 के महाकुंभ को एक अन्य विशेष योग प्राप्त हो रहा है।यह योग है भारत वर्ष की स्वाधीनता का अमृतकाल। अमृत लाभ के संकल्प से समन्वित यह महाकुंभ पर्व हमारी राष्ट्रीय चेतना को भारत–पुरुष की समग्रता में पहचानने का मणि–कांचन योग है। कुछ समय पहले देश ने अपने स्वातंत्र्य के 75 वर्ष पूर्ण करते हुए व्यापक अमृत महोत्सव मनाया है। यह हमारे महान राष्ट्र की अखंडता, संप्रभुता, शौर्य एवं समृद्धि को रेखांकित करने अवसर है। यह प्रथम महाकुंभ है जब श्रीरामलला अपनी जन्मभूमि पर नव निर्मित भव्य मंदिर में विराजमान हैं।यहां उन कुंभ पर्वों का स्मरण प्रासंगिक हो जाता है, जिनमें धर्म–संसद और विशाल समागमों के माध्यम से संतों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा विश्व हिंदू परिषद समेत अनेक संकल्पशील संगठनों ने श्रीरामजन्मभूमि के निर्माण हेतु विमर्श किए, अपनी प्रतिज्ञाएं दोहराईं, संगठित हुए और आगे बढ़े। महाकुंभ हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत स्मारक है। महाकुंभ ऐसे अवसर पर आयोजित होने जा रहा है, जब अनुच्छेद 370 की कुंठा हट चुकी है और भारत का मस्तक कहलाने वाला शिव–शारदा का केंद्र कश्मीर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता का सहचर बन चुका है।इस महाकुंभ की ओर देखते हुए देश की दिव्यता के कुछ और आयाम भी हमारी दृष्टि में आते हैं। भारत के केंद्रीय नेतृत्व की स्पष्ट प्राथमिकताएं और उनसे खुलते वैश्विक आयाम, सेवा–सुरक्षा–शिक्षा–चिकित्सा तथा समरसता से युक्त भारत को उद्भासित कर रहे हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी, हरिद्वार, केदारनाथ, विंध्याचल समेत भारत के दिव्य तीर्थ अपने आध्यात्मिक गौरव में पुनः प्रतिष्ठित हो रहे हैं।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार
पत्र जननायक सम्राट
के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल
व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो
संवाददाता की
आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिंन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक
आरती वर्मा द्वारा आशु
प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल
अलीगढ़ से मुद्रितकराकर
. कार्यालय सरोज नगर
गली नम्बर 5,अलीगढ़
से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद
अलीगढ़ न्यायलय ही होगा